CRPF adopts a minor Thalassemic girl

134 Bn CRPF adopts a minor Thalassemic girl Sonam in Palamu.

Shri Arvind Tripathy , 2IC, 134 Bn CRPF donated blood to her in exigency who is suffering from this incurable Genetic Disorder & needs periodical blood Transfusion for survival.

सीआरपीएफ ने थैलेसीमिया पीड़ित बेबी को लिया गोद, करेंगे रक्त की व्यवस्था

सोनम कुमारी को ब्लड देते सीआरपीएफ के कमांडेंट।

मेदिनीनगर | 134 सीआरपीएफ ने डालटनगंज निवासी अमरेंद्र कुमार की थैलेसीमिया से ग्रसित बेटी सोनम कुमारी को रक्तदान के बाद गोद लिया है । इस संबंध में 134 सीआरपीएफ बटालियन के कमांडेंट अरुण देव शर्मा ने बताया कि दुर्घटना या बीमारी का शिकार हममें से कोई भी हो सकता है। आज हम सभी शिक्षित व सभ्य समाज के नागरिक हैं, जो केवल अपनी नहीं बल्कि दूसरों की भलाई के लिए भी सोचते हैं। हमें सोचना चाहिए कि क्यों नहीं हम रक्तदान के पुनीत कार्य में अपना सहयोग प्रदान करें, जिससे लोगों को जीवनदान मिल सके। इसी उद्देश्य के लिए सीआरपीएफ ने सोनम को गोद लिया है। उसे हर बार रक्त बटालियन के जवान व अधिकारी देंगे। इस क्रम में 134 वी वाहिनी के द्वितीय कमान अधिकारी अरविंद त्रिपाठी ने बेबी सोनम को एक यूनिट रक्तदान देकर इस पुनीत कार्य की शुरुआत की। इस कार्य के लिए भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी के पलामू इकाई के उपाध्यक्ष राणा अरुण सिंह, कोषाध्यक्ष अमिताभ मिश्र, कार्यकारिणी सदस्य राकेश कुमार, रणजीत मिश्र ने सीआरपीएफ के इस कार्य की सराहना की है। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी पलामू इकाई ने जिले के आम नागरिकों का संस्थाओं को इस दिशा में आगे आने का आग्रह किया है।

सीआरपीएफ ने लिया गोद

संवाद सूत्र, मेदिनीनगर : केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 134 वीं वाहिनी ने थैलीसीमिया से ग्रसित सोनम कुमारी, पुत्री डालटनगंज निवासी अमरेंद्र कुमार को गोद लिया है। 134 वीं वाहिनी के द्वितीय कमान अधिकारी अरविंद त्रिपाठी ने बुधवार को बेबी सोनम को एक यूनिट रक्तदान कर गोद लेने की प्रक्रिया का शुभारंभ किया।

थैलेसीमिया से पीड़ित 'सोनम' को सीआरपीएफ ने लिया गोद

डालटनगंज, 12 सितम्बर (थर्ड आई) : अब तक खाकी की पहचान थी हाथ में बंदूक लेकर अपराधियों, नक्सलियों और आंतकवादियों से मुकाबला करना, किन्तु अब यह अवधारणा बदल रही है। अब खाकी वर्दीधारी न केवल लोगों के बीच पहुंच रहे हैं, बल्कि उनकी पीड़ा और जुरूरतों को जानने–समझने का भी प्रयास कर रहे हैं। इसकी मिसाल पेश की है सीआरपीएफ ने।

जिले में कार्यरत सीआरपीएफ की 134 बटालियन ने थैलेसीमिया से पीड़ित 'सोनम' को गोद लिया और रक्त की जब भी जरूरत पड़ने पर रक्तदान करने का निर्णय लिया है। मंगलवार को रक्त की जरूरत पड़ने पर सीआरपीएफ की ओर से रक्तदान किया गया। डालटनगंज निवासी अमरेन्द्र कुमार सिंह की पुत्री सोनम कुमारी को थैलेसीमिया के कारण हर 15 से 20 दिनों के भीतर रक्त चढ़ाना पड़ता है।

रक्तदान करते द्वितीय कमान अधिकारी अरविन्द त्रिपाठी

उसका रक्त समूह ए प्लस है।

सीआरपीएफ को जब इसकी जानकारी हुई तो सोनम को गोद लिया गया और हमेशा रक्तदान कर रक्त चढ़वाने का निर्णय लिया गया। वाहिनी के कमांडेंट अरुण देव शर्मा ने बताया कि अनायास दुर्घटना या बीमारी के शिक.ार हममें से कोई भी हो सकता है। आज हम सभी शिक्षित व सभ्य समाज के नागरिक हैं, जो केवल अपनी नहीं बल्कि दूसरों की भलाई के लिए भी सोचते हैं। तो क्यों नहीं हम रक्तदान के पुनीत कार्य में अपना सहयोग प्रदान करें और लोगों को जीवनदान दें। इसी क्रम में 134वीं वाहिनी के द्वितीय कमान अधिकारी अरविन्द त्रिपाठी ने बेबी सोनम एक युनिट रक्तदान देकर उसे गोद लेने की प्रक्रिया का शुभारम्भ किया। इस कार्य के लिये शहरवासियों ने वाहिनी की भूरी–भूरी प्रशंसा की है।